Physics Master Academy Only Teaching Noting Else.

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र
(2017-2018)
हिन्दी अ
कक्षा दसवीं
उत्तर संकेत

खंड – 'क' **अंक-15**

1	**अपठित अंश**	8
(i)	बोलने का विवेक और कला-पटुता को व्यक्ति की शोभा और आकर्षण कहा गया है। इसी के कारण वह मित्रों के बीच सम्मान और प्रेम का केन्द्र-बिंदु बन जाता है।	2
(ii)	विषय से हटकर बोलने वालों से, अपनी बात को अकारण खींचते चले जाने वालों से लोग ऊब जाते है।	2
(iii)	अनुशासित, संयमित, संतुलित, सार्थक और हितकर बोलना वाणी का तप है?	2
(iv)	बहुत कम बोलना हमारी प्रतिभा और तेज को कुंद कर देता है।	1
(v)	'राई का पहाड़ बनाना' - बढ़ा-चढ़ाकर बात करना।	1
2	**अपठित काव्यांश**	7
(i)	भीषण बाधाओं और संकटों के प्रतीक हैं। कवि ने इनका संयोजन संघर्षशीलता और हिम्मत को दिखाने के लिए किया है।	2
(ii)	कवि ने हमेशा संघर्षो और चुनौतियों का कठिन मार्ग चुना। उन्होनें कभी फूलों का अर्थात सुख-सुविधा का मार्ग नहीं चुना।	2
(iii)	'युग की प्राचीर' का आशय है - संसार की बाधाएँ।	1
(iv)	साहस और संघर्षशीलता।	1
(v)	उत्थान-पतन, उत्थान और पतन में द्वंद समास है।	1
	खंड - ख **(व्यावहारिक व्याकरण)**	अंक 15
3	रचना के आधार पर वाक्य भेद	1x3=3
क)	जब अध्यापिका ने छात्रा की प्रशंसा की तो उसका उत्साह बढ़ गया।	
ख)	ईमानदार ही सम्मान का सच्चा अधिकारी है।	
ग)	मिश्र वाक्य।	
4.	वाच्य	**1x4=4**

क)	हमसे रात भर कैसे जागा जाएगा।	
ख)	तानसेन को संगीत सम्राट कहा जाता है।	
ग)	उन्होंने कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया।	
घ)	माँ द्वारा अवनि को पढ़ाया गया।	
5.	पद परिचय	**1x4=4**
क)	<u>विभीषणों</u> - जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।	
ख)	<u>देर तक</u> - कालवाचक क्रिया विशेषण, 'होती रही' क्रिया की विशेषता बता रहा है।	
ग)	<u>लिख रही है -</u> सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य	
घ)	<u>अनेक</u> - अनिशिचत संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'चित्र' विशेष्य का विशेषण	
6	रस	**1x4=4**
क)	श्रृंगार रस के भेद - संयोग श्रृंगार रस, वियोग श्रृंगार रस।	
ख)	करूण रस का स्थायी भाव शोक है।	
ग)	अद्भुत रस का अनुभाव - रोमांच, आँखे फाडकर देखना, काँपना, गदगद होना।	
घ)	हास्य रस हाथी जैसी देह है, गैंडे जैसी खाल। तरबूजे सी खोपड़ी, खरबूजे से गाल।।	
	खंड - 'ग' **(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)**	**अंक 30**
7. क)	स्त्री शिक्षा के विरोध में यह तर्क देते हैं कि पुराने जमाने में यहाँ स्त्रियाँ पढ़ती न थीं और उनके पढ़ने पर रोक थी। ऐसा वे इसलिए कहते है क्योंकि वे इतिहास से अनभिज्ञ हैं।	**2**
ख)	अनर्थ का मूल स्रोत किसी व्यक्ति के चरित्र में होता है। कुसंस्कार, कुसंगति, कुत्सित विचार उसे अनर्थ करने के लिए प्रेरित करते हैं।	**2**
ग)	ऐसे लोग स्त्रियों को निरक्षर रखकर समाज का अपकार करते हैं तथा सामाजिक उन्नति में बाधा ड़ालते हैं।	**1**
8 क)	देवदार की छाया शीतल और मन को शांत करने वाली होती है। फादर लेखक और उसके साथियों के साथ हँसी मजाक में निर्लिप्त शामिल रहते, गोष्ठियों में गंभीर बहस करते तथा उनकी रचनाओं पर बेबाक राय देते। घरेलू उत्सवों और संस्कार में बड़े भाई और पुरोहित जैसे खडे होकर आशीषों से भर देते। इसी कारण लेखक को फादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी लगती थी।	**2x4=8**

ख)	शिष्या ने बिस्मिल्ला खाँ को फटी लुंगी पहने हुए देखकर डरते हुए कहा कि आपकी इतनी प्रतिष्ठा है, अब तो भारत रत्न भी मिल चुका है और आप फटी लुंगी पहने रहते हैं। शिष्या के ऐसा कहने पर उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ साहब ने उसे समझाते हुए कहा कि ठीक है आगे से नहीं पहनेंगे, किंतु बनाव सिंगार में लगे रहते तो शहनाई कैसे होती।	
ग)	बालगोबिन भगत की पुत्रवधू की इच्छा थी कि वह अपने पति की मृत्यु के बाद बालगोबिन भगत के पास ही रहे क्योंकि वह बुढ़ापे में अपने ससुर की सेवा करना चाहती थी, किंतु भगत अपनी पुत्रवधु का पुनर्विवाह कराने के पक्ष में थे।	
घ)	हिन्दी की प्राध्यापिका शीला अग्रवाल के संपर्क में आने के बाद मन्नू भंड़ारी का साहित्य की अच्छी पुस्तकों से परिचय हुआ। शीला अग्रवाल ने मात्र पढ़ने को, चुनाव करके पढ़ने में बदला।	
9. क)	देवता, ब्राहण, भगवान के भक्त और गाय इन सभी पर रघुकुल के व्यक्ति अपनी वीरता का प्रदर्शन नहीं करते हैं।	**2**
ख)	लक्ष्मण ने कहा हमें कुम्हड़े के छोटे पौधे की तरह मत समझिए, जो तर्जनी के दिखाने से मुरझा जाता है। इस प्रकार लक्ष्मण ने अपनी निर्भीकता और वीरता को प्रदर्शित किया।	**2**
ग)	प्रस्तुत काव्यांश में यह शब्द बहुत कमजोर और निर्बल व्यक्तियों के लिए प्रयोग किया गया है।	**1**
10 क)	'आत्मकथ्य' कविता में कवि ने जीवन के यथार्थ और अभाव पक्ष का वर्णन किया है। उसका मन खाली गागर के समान है।	**2x4=8**
ख)	कविता का शीर्षक 'उत्साह' इसलिए रखा गया है क्योंकि बादल वर्षा करके पीडित प्यासे जन की आकांक्षा को पूरा करके उनके जीवन में आशा, उत्साह तथा नई चेतना का संचार करते हैं।	
ग)	शब्दों के भ्रम की तरह नारी जीवन भर वस्त्र और आभूषणों के मोहपाश में बंधी रहती हैं। इसलिए कवि ने वस्त्राभूषणों को 'शाब्दिक भ्रम' कहकर उन्हें नारी जीवन का बंधन माना है।	
घ)	अगर कड़ी टूट गई तो मुख्य गायक का गायन सफलतापूर्वक पूर्ण नहीं हो पाएगा। जब मुख्य गायक अपने सुरों से भटकने लगेगा तो कोई स्थायी को संभालने वाला नहीं होगा।	
11	'कटाओ' को अपनी स्वच्छता और नैसर्गिक सौंदर्य के कारण हिंदुस्तान का स्विट्जरलैंड कहा जाता है। यह सुंदरता आज इसलिए विद्यमान है क्योंकि यहाँ कोई	**4**

	दुकान आदि नहीं है, इस स्थान का व्यवसायीकरण नहीं हुआ है। 'कटाओ' अभी तक पर्यटक स्थल नहीं बना है। प्रकृति अपने पूर्ण वैभव के साथ यहाँ दिखाई देती है। आज के नवयुवक विशेष अभियान चलाकर प्राकृतिक स्थानों को गंदगी-मुक्त करके अपना योगदान दे सकते हैं। वे पर्यटकों तथा अन्य लोगों को प्राकृतिक वातावरण की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अथवा 'माता का अंचल' पाठ में जिस विद्यालय का वर्णन है वहाँ अध्यापक बच्चों की पिटाई करके, उन्हें शारीरिक दंड देकर अनुशासन में रखते थे। आज के विद्यालयों में शारीरिक दंड देना वर्जित है। आजकल विद्यार्थियों को समझा बुझा कर अनुशासन में रखा जाता है। विद्यालय में परामर्शदाता की नियुक्ति की जाती है। परामर्शदाता शैक्षिक मार्गदर्शन देकर छात्रों को आत्म-समायोजन तथा समाजिक समायोजन में सहायता प्रदान करते हैं। आज के विद्यालयों में जो अनुशासन व्यवस्था है वह पुराने तरीके से अधिक अच्छी है।	
	खंड घ **(लेखन)**	**अंक 20**
12		**10**
क)	निबंध लेखन	
	• प्रस्तुति 1 अंक	
	• भाषा शुद्धता 2 अंक	
	• वाक्य-विन्यास 1 अंक	
	• विषयवस्तु(संकेत बिंदुओं के आधार पर) 4 अंक	
	• समग्र प्रभाव 2 अंक	
13	पत्र लेखन प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1+1=2 विषयवस्तु 2 अंक़ भाषा शुद्धता 1 अंक	**5**
14	विज्ञापन लेखन प्रारूप 2 अंक विषयवस्तु 2 अंक़ भाषा 1 अंक	**5**